प्रादेशिक समाचार बुलेटिन,
आकाशवाणी, लखनऊ।

प्रसारण तिथि : 26.01.2025 प्रसारण समय : 19:20 बजे

मुख्य समाचार :–

1. राष्ट्र आज मना रहा है 76वां गणतंत्र दिवस : नई दिल्ली परेड में महाकुंभ पर आधारित उत्तर प्रदेश की झांकी बनी आकर्षण का केन्द्र।
2. राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ में विधान भवन के सामने ली परेड की सलामी : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अतंर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का किया शुभारम्भ।
3. केन्द्र सरकार ने प्रदेश के 8 लोगों समेत 139 विभूतियों को पदम पुरस्कार देने की घोषणा की : साध्वी ऋतंभरा और राम बहादुर राय को पद्भूषण से जायेगा नवाजा।
4. महाकुंभ में सवा करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने आज संगम में लगाई आस्था की डुबकी : मौनी अमावस्या पर राज्य सड़क परिवहन निगम चलायेगा एक हजार अतिरिक्त बसें।

और

5. केंद्र ने सरकारी कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना को किया अधिसूचित।

————————

राष्ट्र आज 76वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। इस अवसर पर नई दिल्ली में कर्तव्य–पथ पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ध्वजारोहण किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय समर स्मारक जाकर देश के लिए प्राणों की

आहुति देने वाले शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। श्री मोदी ने देश की महान विभूतियों को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने संविधान बनाकर यह सुनिश्चित किया कि देश की विकास यात्रा लोकतंत्र, गरिमा और एकता पर आधारित हो।

आज की परेड में देश की सभ्यता, संस्कृति और वैज्ञानिक प्रगति को दर्शाने वाली मनमोहक झांकियां पेश की गईं। परेड में तीन सौ कलाकारों ने देशभर के वाद्ययंत्रों की धुन पर 'सारे जहां से अच्छा' का प्रदर्शन किया। वहीं महाकुंभ पर आधारित उत्तर प्रदेश को झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। परेड में उत्तर प्रदेश के कई विशिष्ट लोगों समेत 10 हजार विशेष अतिथि आमंत्रित किये गये थे। इनमें सरपंच, हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगर, स्व–सहायता समूहों के सदस्य, आशा बहुएं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सड़क निर्माण से जुड़े कामगार शामिल थे।

————————

प्रदेश में 76वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। गणतंत्र दिवस का मुख्य आयोजन आज लखनऊ में विधान भवन के सामने किया गया। इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने परेड की सलामी ली। परेड में छात्रों ने देशभक्ति के गीतों पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर तिरंगा फहराया। इस मौके पर श्री

योगी ने महात्मा गांधी सहित देश की महान विभूतियों और संविधान निर्माताओं के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि भारत का संविधान सम और विषम हालात में पूरे भारत को एकता के सूत्र में बांधता है। बाइट.....

75 वर्षों की हमारी यह शानदार यात्रा हम सबको संविधान के लागू होने के अमृत महोत्सव के साथ जोड़ रही हैं। यह हम सबके लिये एक नये चिंतन को आगे बढ़ाने का एक अवसर भी है। यह भारत का संविधान भारत के प्रत्येक नागरिक को न्याय देने के लिये, समता मूलक समाज की स्थापना के लिये आपस में बंधुता के सूत्र में जोड़ने का हमारा सबसे बड़ा मार्ग दर्शक है।

बाद में श्री योगी ने रन फॉर कोआपरेशन मैराथन का झंडी दिखाकर अतंर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का शुभारम्भ भी किया। मैराथन में बड़ी संख्या में युवाओं ने प्रतिभाग किया। उत्तर प्रदेश अतंर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष की शुरूआत करने वाला देश का पहला राज्य है।

इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री योगी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिये सहकारिता को जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी है। बाइट.....

सहकारिता सहकार का ही एक परिवर्तित रूप है सहकारिता का सबसे उत्कृष्टतम रूप देखना हो तो इस सदी का महाकुंभ प्रयागराज उसका एक उत्कृष्टतम स्वरूप है सब कुछ सब कुछ ऑटो मोड पर चल रहा है एक दूसरे की सहभागिता के साथ चल रहा है भारत के जींस का हिस्सा है सहकारिता और एक स्वावलंबी भारत का निर्माण करना है तो सहकारिता को अपने जीवन का हिस्सा हमें बनाना पड़ेगा।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने सुल्तानपुर में पांच हजार और कौशाम्बी जिले में 15 हजार मीट्रिक टन क्षमता के गोदामों का शुभारम्भ वर्चुअल माध्यम से किया।

राज्य के सभी शहरी और ग्रामीण इलाकों में भी गणतंत्र दिवस की धूम है। लखनऊ, उन्नाव, कानपुर, बदायूं, श्रावस्ती, आगरा, मेरठ, बाराबंकी, अयोध्या, कौशाम्बी, अलीगढ़, आजमगढ़ सहित सभी जिलों में शिक्षण संस्थानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और स्वैच्छिक संस्थाओं ने झंडा रोहण के साथ–साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन किये।

वहीं प्रयागराज में महाकुंभ मेला क्षेत्र में बने सास्कृतिक पंडालों में देशभक्ति से सराबोर प्रस्तुतियां दी गई।

————————

केन्द्र सरकार ने देश की 139 विभूतियों को पद्म पुरस्कार देने की घोषणा की ह। इनमें उत्तर प्रदेश की आठ विभूतियां भी शामिल हैं। साध्वी ऋतंभरा को सामाजिक कार्यों और राम बहादुर राय को साहित्य, शिक्षा और पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये पद्म भूषण से नवाजा जायेगा। पद्मश्री पाने वालों में साइंस एवं टेक्नोलॉजी के लिये आशुतोष शर्मा, साहित्य और शिक्षा के लिये विधानसभा क पूर्व अध्यक्ष ह्रदय नारायण दीक्षित, गनेश्वर शास्त्री द्रविड़ और सैयद एनुल हसन, जबकि पब्लिक अफेयर्स के लिये मरणोपरांत श्रीनारायण भुलई भाई,

खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिये सत्यपाल सिंह, कला के लिये श्याम बिहारी अग्रवाल और चिकित्सा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिये सोनिया नित्यानंद का नाम शामिल है।

————————

ब्रेक

यह समाचार आप आकाशवाणी लखनऊ से सुन रहे हैं।

ताज़ा समाचार जानने के लिये आप हमारी वेबसाइट न्यूज़ ऑन ए0आई0आर0 डॉट जी0ओ0वी0 डॉट आई0एन0 पर लॉगिन कर सकते हैं। इसके साथ ही आप प्रादेशिक समाचारों का यह बुलेटिन हमारे यूट्यूब चैनल न्यूज ऑन एआईआर लखनऊ पर भी सुन सकते हैं।

————————

संगमनगरी प्रयागराज महाकुंभ में आज शाम 6 बजे तक सवा करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। वहीं श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी है। एक रिपोर्ट.....

महाकुम्भ नगर त्रिवेणी संगम तट पर चल रहे महाकुंभ मेले में आज रविवार को पवित्र जल में डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं का जन सैलाब देखने को मिला। लगभग 12 किलोमीटर लंबे घाट घाट में पर देश के कोने कोने से आए श्रद्धालु पूरे दिन आस्था की डुबकी लगाते रहे। मेला प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक आज एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। आज गणतंत्र दिवस के अवसर पर संपूर्ण मेला क्षेत्र में यह पर्व धूम धाम से मनाया गया। इस मौके पर शिविरों में सांस्कृतिक कार्यक्रम और शहीद परिवार को सम्मानित भी किया गया। महाकुम्भ मेले में चल रहे तीन दिवसीय ड्रोन महोत्सव का के समापन अवसर पर आज

यह देश भक्ति पर आधारित रहा वही सांस्कृतिक पंडालों में देश के कोने कोने से आए कलाकारों द्वारा दी जा रही प्रस्तुतियों से दर्शक मंत्रमुग्ध हो रहे है। प्रवीण मिश्र आकाशवाणी समाचार महाकुंभनगर प्रयागराज।

महाकुंभ में राजनीतिक दलों के नेताओं के आने का भी क्रम जारी है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी आज कार्यकर्ताओं के साथ त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए श्री यादव ने सौहार्द और सहनशीलता की कामना की। बाइट....

गणतंत्र दिवस के दिन इस अवसर संगम में आस्था के तहत लोग यहां आते हैं, स्नान करते है, डुबकी लगाते है मुझे आज 11 डुबकी लगाने का मौका मिला है। संगम पर महाकुंभ मनाया जा रहा है 144 वर्षो के बाद मौका मिल रहा है। आज के दिन यही संकल्प लेते है और कामना है कि सौहार्द रहे, सद्भावना रहे और सहनशीलता के साथ आगे बढ़ते रहे।

————————

इस बीच राज्य सड़क परिवहन निगम महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर्व के दौरान एक हजार अतिरिक्त बसें चलायेगा। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने लखनऊ में 29 जनवरी और 3 फरवरी को पड़ने वाले महत्वपूर्ण स्नान के क्रम में परिवहन निगम की तैयारियों की समीक्षा के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मौनी अमावस्या के दौरान 7 हजार बसों के संचालन की योजना परिवहन निगम ने पहले से ही बना रखी है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने के मद्देनजर मुख्यमंत्री के निर्देश पर एक हजार अतिरिक्त बसें चलाने का निर्णय लिया गया है।

———————

केंद्र ने एकीकृत पेंशन योजना–यूपीएस के कार्यान्वयन को आधिकारिक तौर पर अधिसूचित कर दिया है। अधिसूचना में कहा गया है कि यूनीफाइड पेंशन स्कीम उन केन्द्रीय कर्मचारियों पर लागू होगा, जो राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत आते हैं और एनपीएस में इस विकल्प को चुनते हैं।

केंद्र सरकार के मौजूदा और भविष्य में सेवा में आने वाले कर्मचारी या तो राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत यूपीएस विकल्प चुन सकते हैं या राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली विकल्प के बिना एनपीएस जारी रख सकते हैं।

(समाप्त)